



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 315] नई दिल्ली, मंगलवार, जून 27, 1978/आषाढ़ 6, 1900  
No. 315] NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 27, 1978/ASADHA 6, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भाग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)  
प्रादेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1978

का०जा० 411(अ)/18 एफ० बी०/आई०डो०आर०ए०/78—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के प्रादेश सं०का० प्रा० 266 अ/18 क/30 वि० अ०/78 तारीख 13 अप्रैल 1978 द्वारा मैसर्स इचोक टायर्स लिमिटेड कलकत्ता (जिसे इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण उद्योग (विक्रम और विनियम) अधिनियम 1951 की धारा 18 के अधीन 13 अप्रैल 1978 से प्रारम्भ होकर पांच वर्ष की अवधि के लिए कर लिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम के सम्बन्ध में अनुसूचित उद्योग अधिनियम 1947 के अन्तर्गत उद्योग के उत्पादन के परिणाम में निरवरोध को रोकने की दृष्टि से सर्व माधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है।

अतः अन्न केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18 ब ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्व प्रदत्त सभी सविधाओं, सम्पत्ती के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पत्राचारों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखितों का (जो अंको और किसी सन्धि या को प्रतिसूत प्राप्त वास्तविक से भिन्न हैं) जिसका उक्त औद्योगिक उपक्रम या ऐसे औद्योगिक उपक्रम की स्वामी कम्पनी एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हों, प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए तिलबित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएँ और वास्तविक उक्त अवधि के लिए तिलबित रहेंगे।

[का० सं० 2/24/76 सी० यू० सी०]

जी० एन मेहरा, सयुक्त सचिव

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

#### ORDER

New Delhi, the 27th June, 1978

**S.O. 411(E)/18FB/IDRA/78.**—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. 266(E)/18A/IDRA/78 dated the 13th April, 1978, the management of the industrial undertaking of Messrs. Inchek Tyres Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) has been taken over under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years commencing from the 13th April, 1978 ;

And, Whereas, the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of the schedule industry, namely, rubber goods industry ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of publication of this Order in the Official Gazette (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and all rights, privileges, obligations and liabilities, accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period

[F. No. 2(24)/76-CUS.]

G. N. MEHRA, Jt. Secy.